

The Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Shri Humayun Kabir): (a) A statement showing the State-wise allocation of the sum of Rs. 1,32,40,000 earmarked for award of National Loan Scholarships is placed on the Table of the House [Placed in Library. See No. LT-1852/63].

(b) A sum of Rs 1,29,02,960 has been placed at the disposal of the various State Governments for disbursement to selected scholars. No amount was however paid to students till November as the response to the advertisements inviting applications was poor and the last date for submission of applications had to be extended.

उच्च शिक्षा के लिये अध्यापकों की कमी

२०६. श्री बाल्मीकी : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उच्च स्तर के शिक्षकों का अभाव है;

(ख) क्या यह अभाव दिन-ब-दिन बढ़ रहा है; और

(ग) इस कमी को दूर करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री (श्री हुमायून कबिर): (क) और (ख). जी हाँ ।

(ग) अध्यापन-व्यवसाय में योग्य व्यक्तियों को आकर्षित करने तथा उन्हें वहाँ बनाये रखने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बहुत से कदम उठाये हैं । इन में, विश्वविद्यालयों और कालेजों के अध्यापकों के वेतन मान बढ़ाना, विश्व-विद्यालयों में ऐसे उच्च अध्ययन केन्द्रों की स्थापना करना जहाँ उत्कृष्ट छात्रों को शिक्षण तथा अनुसंधान के अवसर मिल सकें, अध्यापकों को अपनी व्यवसायिक योग्यता सुधारने के लिए अनुसंधान अनुदानों की व्यवस्था, डाक्टर संबंधी अनुदान तथा उत्तर

डाक्टर-संबंधी अधिछात्रवृत्तियाँ, प्रमुख रिटायर्ड प्रोफेसरों को वित्तीय सहायता का अनुदान ताकि विश्वविद्यालय/कालेज उन की सेवाओं का लाभ उठा सकें, अपने अपने क्षेत्र में नवीनतम घटनाओं की जानकारी रखने के लिए अध्यापकों को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और सेमिनारों में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता का अनुदान शामिल है । अध्यापकों की सेवा शर्तों में सुधार करने के लिए, प्रांतीय स्थान की व्यवस्था, पेंशन-एवं-उपदान-एवं बीमा और विश्राम-छुट्टी जैसी अन्य कार्रवाइयों पर विचार किया जा रहा है ताकि अध्यापन व्यवसाय को आधिक आकर्षक बनाया जा सके ।

Exchange of Professors between West Germany and India.

207. }
 Dr. S. C. Samanta;
 Dr. Subodh Hansda;
 Dr. P. N. Khan;
 Dr. M. L. Dwivedi;

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether the proposal for exchange of Professors between India and West Germany has been given effect to;

(b) if so, since when; and

(c) how many professors have since been exchanged and in which subjects?

The Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Shri Humayun Kabir): (a) No, Sir.

(b) & (c). Do not arise.

भांसी की रानी का महल

२०८. { श्री म० ला० द्विवेदी :
 श्री स० च० सामन्त :
 श्री ब० कु० दास :

क्या वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भांसी की रानी के महल को जब से उत्तर प्रदेश सरकार ने खाली कर

दिया है उस समय से पुरातत्व विभाग ने अपनी देख रेख में उस महल को क्यों नहीं लिया;

(ख) इस महल को सुरक्षित रखने की दिशा में पुरातत्व विभाग ने क्या किया है; और

(ग) जितने दिन यह महल बिना चौकसी के खाली पड़ा रहा उस समय में इस महल को कोई क्षति पहुँची, यदि हाँ, तो क्या ?

वैज्ञानिक अनुसन्धान और सांस्कृतिक कार्य उपमन्त्री (डा० मनमोहन दास) :
(क) आर्क्योलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया ने यह स्मारक ३१ दिसम्बर, १९६२ को उत्तर प्रदेश सरकार से ले लिया था ।

(ख) महल की सुरक्षा और सफाई के लिए कर्मचारी नियुक्त किये जा चुके हैं । महल की मरम्मत के लिए खर्च का तहमीना लगा लिया गया है और काम जल्दी शुरू हो जायेगा ।

(ग) राज्य सरकार के नियंत्रण और आर्क्योलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के नियंत्रण के बीच कोई समय नहीं लगा । जब महल को हाथ में लिया गया उस समय उस की दशा अच्छी नहीं थी और कई दरवाजों वगैरह की हालत गिरी हुई थी ।

One more University in Kerala

209. Shri Koya: Will the Minister of Education be pleased to state: (

(a) whether there is any proposal to start one more University in Kerala State; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Shri Humayun Kabir): (a) and (b). A proposal of the State Government of Kerala for establishing two new Universities in

Calicut and Ernakulam is under the consideration of the University Grants Commission, on a reference by this Ministry.

Carrying of Night Soil

210. Shrimati Savitri Nigam: Will the Minister of Home Affairs be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2533 on the 5th June, 1962 and state the names of the States which have not utilised the grants given by the Home Ministry during 1961-62 and 1962-63 for assisting the Local Self Governments, Zila Parishads and Municipal Boards to put an end to the practice of carrying night-soil as head loads?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shrimati Chandrasekhar): A statement showing the allocations made to the various States and the expenditure incurred during 1961-62 and 1962-63 on the scheme of "Improvement of working conditions of sweepers and scavengers" is laid on the Table of the House [Placed in Library. See No. LT-1853/63].

Welfare of Physically-Handicapped Children

**211. { Shri Ramachandra Ulaka:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri Sarjoo Pandey:**

Will the Minister of Education be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2100 on the 18th September, 1963 and state:

(a) the amounts of grants given to various voluntary organisations for the welfare of the blind, the deaf and dumb, the mentally retarded and the orthopaedically handicapped children category-wise and State-wise, during 1959-60, 1960-61 and 1961-62; and

(b) the reasons for the shortfall in the grants during 1961-62 as compared to 1960-61?